हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी 15 को

महेंद्रगढ़(ब्यूरो)। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में आगामी 15-16 अक्टूबर को 'हरियाणा में उच्च शिक्षा का समावेशी और गुणात्मक विस्तार' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन होने जा रहा है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत होने जा रहे इस आयोजन में मुख्य अतिथि के तौर पर हरियाणा सरकार में वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु और समापन सत्र में लोक निर्माण मंत्री राव नरबीर सिंह शामिल होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आर.सी. कुहाड़ का कहना है कि इस संगोष्ठी का उद्देश्य शिक्षा के बदलते आयामों पर विस्तार से चर्चा करना है और आवश्यक बदलावों को ध्यान में रखते हुए भविष्य के लिए जरूरी रोड मैप तैयार करना है।

हरियाणा केंद्रीय विवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी 15-16 को होगी

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 15-16 अक्टूबर को 'हरियाणा में उच्च शिक्षा का समावेशी और गुणात्मक विस्तार' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत इसका आयोजन होगा। मुख्य अतिथि वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु और समापन सत्र में लोक निर्माण मंत्री राव नरबीर सिंह शामिल होंगे। विवि के वीसी प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि संगोष्ठी का उद्देश्य शिक्षा के बदलते आयामों पर विस्तार से चर्चा करना है। शिक्षा विभाग की अध्यक्षा डॉ. सारिका शर्मा ने बताया संगोष्ठी में न सिर्फ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सामने आ रही चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी, बल्कि उनके समाधान भी तलाशे जाएंगे। संगोष्ठी के कोऑर्डिनेटर डॉ. अनोज राज, डॉ. चांदवीर तथा डॉ. अमित सिंह लठवाल हैं।

हकेंवि में 15 से होगी दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विवि महेंद्रगढ़ में आगामी 15 अक्टूबर से हरियाणा में उच्च शिक्षा का समावेशी और गुणात्मक विस्तार विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत होने वाले इस आयोजन में मुख्य अतिथि के तौर पर वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु और समापन सत्र में लोक निर्माण मंत्री राव नरबीर सिंह शामिल होंगे।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने बताया कि इस संगोष्ठी का उद्देश्य शिक्षा के बदलते आयामों पर विस्तार से चर्चा करना और आवश्यक बदलावों को ध्यान में रखते हुए भविष्य के लिए जरूरी रोड मैप तैयार करना है। उन्होंने कहा कि यह संगोष्ठी हरियाणा में उच्च शिक्षा के समावेशी व गुणात्मक विस्तार में सहायक सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन व शिक्षा विभाग के सांझा प्रयासों से आयोजित हो रही इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षा के बदलते स्वरूप पर विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। शिक्षा विभाग की अध्यक्ष डॉ. सारिका शर्मा ने बताया कि इस संगोष्ठी में न सिर्फ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सामने आ रही चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी बल्कि उनके समाधान भी तलाशे जाएंगे। संगोष्ठी में मुख्य रूप से उच्च शिक्षा के विस्तार, क्षेत्रीय व लिंग आधारित असमानता, पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के नए मॉडल की कार्यप्रणाली सहित ढांचागत व व्यवस्था आधारित सुधार, शैक्षणिक सुधार, नॉलेज सोसाइटी के निर्माण, आंतरिक गुणवत्ता निर्धारण प्रकोष्ठ की उपयोगिता पर विशेषज्ञ अपने विचार व्यक्त करेंगे। संगोष्ठी में व्यापक तरीके से शिक्षकों, शिक्षण तथा शिक्षक की तैयारी और व्यावसायिक विकास से संबंधित मुद्दों को संबोधित करके पंडित मदन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के उद्देश्यों को प्राप्त करना है। इस संगोष्ठी के को-ऑर्डिनेटर डॉ. अनोज राज, डॉ. चांदवीर तथा डॉ. अमित सिंह लठवाल को बनाया गया है।

मुख्य अतिथि के तौर पर वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु शामिल होंगे

शिक्षा के बदलते स्वरूप पर संगोष्ठी 15 को

हरिभूमि न्यूज. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 15-16 अक्टूबर को हरियाणा में उच्च शिक्षा का समावेशी और गुणात्मक विस्तार विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत होगा। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर हरियाणा सरकार में वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु और समापन सत्र में लोक निर्माण मंत्री राव नरबीर सिंह शामिल होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि संगोष्ठी का उद्देश्य शिक्षा के बदलते आयामों पर विस्तार से चर्चा करना है। आवश्यक बदलावों को ध्यान में रखते हुए भविष्य के लिए जरूरी रोड मैप तैयार करना है। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि उनको विश्वास है कि यह संगोष्ठी हरियाणा में उच्च शिक्षा के समावेशी व गुणात्मक विस्तार में सहायक सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन व शिक्षा विभाग के सांझा प्रयासों से आयोजित हो रही इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षा के बदलते स्वरूप पर विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। शिक्षा विभाग की अध्यक्षा डा. सारिका शर्मा ने कहा कि इस संगोष्ठी में न सिर्फ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सामने आ रही चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी बल्कि उनके समाधान भी तलाशे जाएंगे। संगोष्ठी में मुख्य रूप से उच्च शिक्षा के विस्तार, क्षेत्रीय व लिंग आधारित असमानता, पब्लिक प्राइवेट पार्टनशिप (पीपीपी) के नए मॉडल की कार्यप्रणाली सहित ढांचागत व व्यवस्था आधारित सुधार, शैक्षणिक सुधार, नॉलेज सोसाइटी के निर्माण, आंतरिक गुणवत्ता निर्धारण प्रकोष्ठ की उपयोगिता पर विशेषज्ञ अपने विचार व्यक्त करेंगे। विश्वविद्यालय में आयोजित हो रही इस संगोष्ठी में देशभर से आए शिक्षाविद्, रिसर्च स्कॉलर भागीदारी करेंगे। शिक्षक की तैयारी और व्यावसायिक विकास से संबंधित मुद्दों को संबोधित करके पंडित मदन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के उद्देश्यों को प्राप्त करना है। इस संगोष्ठी के कोर्डिनेटर डा. अनोज राज, डा. चांदवीर तथा डा. अमित सिंह लठवाल है।

- संगोष्ठी हरियाणा में उच्च शिक्षा के समावेशी व गुणात्मक विस्तार में सहायक सिद्ध

हक्रेंवि में जुटेंगे देश के जाने-माने शिक्षाविद्

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आगामी 15-16 अक्टूबर को आयोजित होने जा रही दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर से जाने माने शिक्षाविद् एकत्र होंगे। गुणात्मक व समावेशी शिक्षा विषय पर केंद्रीय इस संगोष्ठी के संदर्भ में कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने बताया कि इस संगोष्ठी के मुख्य अतिथि वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु होंगे जबकि मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर भीम सिंह दहिया होंगे। प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि उनको विश्वास है कि यह संगोष्ठी हरियाणा में उच्च शिक्षा के समावेशी व गुणात्मक विस्तार में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी में व्यापक तरीके से शिक्षकों, शिक्षण तथा शिक्षक की तैयारी और व्यावसायिक विकास से संबंधित सभी मुद्दों को संबोधित कर योजना के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिये कदम बढ़ाया जा रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि यह कदम शिक्षक मिशन अध्यापकों के अभिनव शिक्षण और व्यवसायिक विकास के लिये शीर्ष स्तर की सुविधाओं को प्रदान करने तथा शिक्षकों द्वारा एक मजबूत पेशेवर कैडर बनाने के दीर्घकालिक लक्ष्य पाने में मददगार साबित होगा। विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग की अध्यक्षा डा. सारिका शर्मा ने बताया कि संगोष्ठी के लिए पूरे देश के शिक्षाविदों में उत्साह है।

हकेंवि में जुटेंगे देश भर के जाने-माने शिक्षाविद, राष्ट्रीय संगोष्ठी 15-16 को

महेंद्रगढ़ | हकेवि महेंद्रगढ़ में 15-16 अक्टूबर को आयोजित होने जा रही दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर से जाने-माने शिक्षाविद इकट्ठे होंगे। गुणात्मक व समावेशी शिक्षा विषय पर केंद्रीय संगोष्ठी के संदर्भ में विवि के वीसी प्रो. आरसी कुहाड़ ने बताया कि इसके मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु होंगे। मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विवि के पूर्व वीसी प्रोफेसर भीम सिंह दहिया होंगे। प्रो.आरसी कुहाड़ ने कहा कि उनको विश्वास है कि यह संगोष्ठी हरियाणा में उच्च शिक्षा के समावेशी व गुणात्मक विस्तार में सहायक सिद्ध होगी। शिक्षा विभाग की अध्यक्षा डॉ. सारिका शर्मा ने बताया कि संगोष्ठी के लिए उनको देश के विभिन्न हिस्सों से अनेक शोध-पत्रों के सार प्राप्त हो चुके हैं। संगोष्ठी में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की पूर्व सम-कुलपति सुषमा यादव, दून विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति वीके जैन, उत्तराखंड में स्कूल शिक्षा के पूर्व डॉयरेक्टर जेके जोशी, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से शिक्षा विभाग की पूर्व अध्यक्षा प्रो. इंद्रा ढुल, दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ एजुकेशन के डॉ. संदीप कुमार होंगे। इसका आयोजन मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत किया जा रहा है।

15 को राष्ट्रीय संगोष्ठी में आएंगे कैप्टन अभिमन्यु

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आगामी 15-16 अक्टूबर को आयोजित होने जा रही दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर से जाने माने शिक्षाविद् एकत्रित होंगे। गुणात्मक व समावेशी शिक्षा विषय पर केंद्रित इस संगोष्ठी के संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने बताया कि संगोष्ठी के मुख्य अतिथि वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु होंगे जबकि मुख्य वक्ता कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.भीम सिंह दहिया होंगे।

प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि उनको विश्वास है कि यह संगोष्ठी हरियाणा में उच्च शिक्षा के समावेशी व गुणात्मक विस्तार में सहायक सिद्ध होगी। इस संगोष्ठी में व्यापक तरीके से शिक्षकों, शिक्षण तथा शिक्षक की तैयारी और व्यावसायिक विकास से संबंधित सभी मुद्दों को संबोधित कर योजना के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कदम बढ़ाया जा रहा है।

विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग की अध्यक्षा डा. सारिका शर्मा ने बताया कि संगोष्ठी के लिए पूरे देश के शिक्षाविदों में उत्साह है तथा अभी तक उनको देश के विभिन्न हिस्सों से अनेक शोधपत्रों के सार प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस संगोष्ठी में देश के अनेक शिक्षाविद् अपने विचार रखेंगे। इनमें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की पूर्व सम-कुलपति सुषमा यादव, दून विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति वीके जैन, उत्तराखंड में स्कूल शिक्षा के पूर्व डायरेक्टर जेके जोशी महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से शिक्षा विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर इंद्रा ढुल, दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ एजूकेशन के डा. संदीप कुमार होंगे।

ह.कें.वि. में जुटेंगे देश के जाने-माने शिक्षाविद्

गुणात्मक व समावेशी शिक्षा पर चर्चा के लिए राष्ट्रीय संगोष्ठी 15 से

महेंद्रगढ़, 10 अक्तूबर (मोहन/परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (ह.कें.वि.), महेंद्रगढ़ में 15-16 अक्तूबर को आयोजित होने जा रही 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में देशभर से जाने-माने शिक्षाविद् एकत्र होंगे।

गुणात्मक व समावेशी शिक्षा विषय पर केंद्रीय इस संगोष्ठी के संदर्भ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने बताया कि इस संगोष्ठी के मुख्यातिथि हरियाणा सरकार के वित्तमंत्री कै. अभिमन्यु होंगे जबकि मुख्य वक्ता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. भीम सिंह दहिया होंगे।

प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि उनको विश्वास है कि यह संगोष्ठी हरियाणा में उच्च शिक्षा के समावेशी व गुणात्मक विस्तार में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी में व्यापक तरीके से शिक्षकों, शिक्षण तथा शिक्षक की तैयारी और व्यावसायिक विकास से संबंधित सभी मुद्दों को सम्बोधित कर योजना के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कदम बढ़ाया जा रहा है।

ऐसा माना जा रहा है कि यह कदम शिक्षक मिशन अध्यापकों के अभिनव शिक्षण और व्यावसायिक विकास के लिए शीर्ष स्तर की सुविधाओं को प्रदान करने तथा शिक्षकों द्वारा एक मजबूत पेशेवर कैडर बनाने के दीर्घकालिक लक्ष्य पाने में मददगार साबित होगा।

विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग की अध्यक्षा डा. सारिका शर्मा ने बताया कि संगोष्ठी के लिये पूरे देश के शिक्षाविदों में उत्साह है तथा अभी तक उनको देश के विभिन्न हिस्सों से अनेक शोधपत्रों के सार प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस संगोष्ठी में देश के अनेक शिक्षाविद् विचार रखेंगे। इनमें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की पूर्व सम-कुलपति सुषमा यादव, दून विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति वी.के. जैन, उत्तराखंड में स्कूल शिक्षा के पूर्व डायरैक्टर जे.के. जोशी महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से शिक्षा विभाग की पूर्व अध्यक्षा प्रो. इंद्रा ढुल, दिल्ली विश्वविद्यालय के सैंट्रल इंस्टीच्यूट ऑफ एजुकेशन के डा. संदीप कुमार होंगे। विभागाध्यक्षा ने बताया कि संगोष्ठी का विषय हरियाणा में उच्च शिक्षा का समावेशी व गुणात्मक विस्तार है। इस संगोष्ठी का आयोजन मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पं. मदन मोहन मालवीय नैशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि यह संगोष्ठी गुणात्मक व समावेशी शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed, 11 October 2017
epaper.punjabkesari.in//c/22825717

भारत को विश्वगुरु बनाने में हकेंवि अहम

राष्ट्रीय संगोष्ठी में कैप्टन अभिमन्यु ने कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ को दिया हरसंभव मदद का आश्वासन

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़।

विद्या ददाति विनयम्, विनयाद्याति पात्रताम्... संस्कृत सूक्ति के साथ प्रदेश के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में जारी प्रयासों में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) की अहम भूमिका बताई। उन्होंने शिक्षाविदों, शिक्षकों व शोधार्थियों को न सिर्फ भारत को विश्व के प्रमुख संस्थानों में अपनी जगह बनाने के लिए कहा अपितु सूचना तकनीक और सांस्कृतिक विरासत के बल पर नालंदा, तक्षशिला के दौर की ख्याति फिर से पाने के लिए प्रेरित किया।

हकेंविवि में नवनिर्मित कर्मचारी आवास का उद्घाटन करते वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु, कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

वित्तमंत्री का शॉल ओढ़ाकर स्वागत करते हुए कुलपति।

कैप्टन अभिमन्यु विश्वविद्यालय में आयोजित गुणात्मक एवं समावेशी शिक्षा के विस्तार विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद सभागार में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत आयोजित इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि यदि भारत की मौजूदा तीन पीढ़ियां मिलकर ठान लें तो वो दिन दूर नहीं जब तीसरी पीढ़ी विश्व में भारत को विश्वगुरु की खोई हुई पहचान दिला सकती है। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ से मिलकर उन्हें भरोसा हो गया कि वो दिन अब दूर नहीं जब भारत के विश्वगुरु बनने में इस विश्वविद्यालय की अहम भूमिका होगी। हरियाणा सरकार के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने विश्वविद्यालय को हर संभव मदद प्रदान करने का आश्वासन दिया। आयोजन के दौरान वित्त मंत्री ने सूचना तकनीक की मदद से नवनिर्मित कर्मचारी आवास खंड-एक का भी उद्घाटन सभागार से किया।

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि कैप्टन साहब ने यहां आकर विश्वविद्यालय में आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी की शोभा बढ़ाई। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति का जिक्र करते हुए बताया कि इसी साल विश्वविद्यालय को नैक का ए ग्रेड प्राप्त हुआ है और पहली बार हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालय 14 अक्तूबर को हमारे नेतृत्व में एकजुट होकर रिसर्च व एजुकेशन पोर्टल के माध्यम से संसाधनों की आपसी साझेदारी के लिए सहमत हुए हैं। दो दिवसीय इस सेमिनार के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के पूर्व कुलपति प्रो. भीम सिंह दहिया ने हरियाणा में शिक्षा के विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि स्पष्ट किया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने कुछ प्रोजेक्ट भी प्रस्तुत किए। संस्कृत में दिए गए उनके इस ज्ञापन ने सबका मनमोह लिया। इसके बाद शिक्षा विभाग की प्रमुख डॉ. सारिका ने 15 व 16 अक्तूबर को चलने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव, विश्वविद्यालय कुलसचिव राम दत्त, डॉ. बीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, प्रो. नवल किशोर आदि रहे।

सेमिनार | हरियाणा के वित्त मंत्री कैं. अभिमन्यु ने बरगद के पेड़ से की विश्वविद्यालय की तुलना, बोले

भारत को विश्वगुरु बनाने में हकेंवि की भूमिका अहम

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

विद्या ददाति विनयम्, विनयाद् याति पात्रताम्... संस्कृति के इस सूक्ति के साथ हरियाणा सरकार के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में जारी प्रयासों में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की अहम भूमिका बताई। कैप्टन अभिमन्यु विवि में आयोजित गुणात्मक एवं समावेशी शिक्षा के विस्तार विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने संगोष्ठी में आए शिक्षाविदों, शिक्षकों व शोधार्थियों को न सिर्फ भारत को विश्व के प्रमुख संस्थानों में अपनी जगह बनाने की बात कही, अपितु सूचना तकनीक और सांस्कृतिक विरासत के बल पर नालंदा, तक्षशिला के दौर की ख्याति फिर से पाने के लिए प्रेरित किया।

विवि के प्रो. मूलचंद सभागार में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पं. मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में कैप्टन अभिमन्यु मौजूद थे। उन्होंने कहा कि यदि भारत की मौजूदा तीन पीढ़ियां मिलकर ठान लें तो वह दिन दूर नहीं जब तीसरी पीढ़ी विश्व में भारत को विश्वगुरु की खोई हुई पहचान फिर दिला सकती है।

उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ से मिलकर मुझे भरोसा हो गया कि वो दिन अब दूर नहीं जब भारत के विश्वगुरु बनने में इस विवि की अहम भूमिका होगी। कैप्टन अभिमन्यु ने विश्वविद्यालय की तुलना बरगद के उस पेड़ से की, जिसकी जड़ें लगातार मजबूत होती रहती हैं। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के नेतृत्व में यहां काम कर रहे शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी दिन-प्रतिदिन विवि-रूपी इस बरगद के वृक्ष की भिन्न-भिन्न शाखा बनकर इसे मजबूत बना रहे हैं। हरियाणा सरकार के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने विश्वविद्यालय को हर संभव मदद प्रदान करने का आश्वासन दिया। आयोजन के दौरान वित्त मंत्री ने सूचना तकनीक की मदद से नवनिर्मित कर्मचारी आवास खंड-एक का भी उद्घाटन सभागार से किया।

स्वागत भाषण में विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि कैप्टन साहब ने यहां आकर विवि में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की शोभा बढ़ाई। कुलपति ने बताया कि यह विवि अपने नवप्रवर्तन, अनुसंधान व सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है। चाहे हवा से चलने वाली कार के निर्माण की बात हो या फिर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत अभियान, उन्नत भारत अभियान व वित्तीय साक्षरता अभियान की सफलता हो। उन्होंने विवि की प्रगति का जिक्र करते हुए बताया कि इसी साल विवि को नैक का 'ए' ग्रेड प्राप्त हुआ है और पहली बार हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालय 14 अक्तूबर को हमारे नेतृत्व में एकजुट होकर रिसर्च व एजुकेशन पोर्टल के माध्यम से संसाधनों की आपसी साझेदारी के लिए सहमत हुए हैं।

महेंद्रगढ़. राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान मंचासीन मुख्यातिथि, कुलपति व अन्य।

महेंद्रगढ़. शाल ओढ़ाकर मुख्यातिथि वित्त मंत्री का स्वागत करते विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़।

हरियाणा में शिक्षा के विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर डाला प्रकाश

दो दिवसीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के पूर्व कुलपति प्रो. भीम सिंह दहिया ने हरियाणा में शिक्षा के विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि हरियाणा के लोगों ने सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के विरुद्ध बढ़-चढ़कर भाग लिया तब [illegible] अंग्रेजों ने हरियाणा को पंजाब प्रांत का हिस्सा बना दिया। अंग्रेजों के इस कदम से हरियाणा में शिक्षा का समुचित विकास नहीं हो सका। प्रोफेसर दहिया ने शिक्षा के स्तर में बदलाव के लिए आपसी संवाद के महत्व पर जोर दिया और [illegible] के इस प्रयास की सराहना की। इस मौके पर [illegible] प्रोफेसर रणबीर सिंह, शिक्षा विभाग की प्रमुख डॉ. सारिका, नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव, विवि कुलसचिव रामदत्त, शिक्षा पीठ व शिक्षा विभाग के शिक्षकों सहित विवि के [illegible] अधिष्ठाता डॉ. बीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार व प्रो. नवल किशोर आदि शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

भाजपा ने नहीं पूरे किए वादे, सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं बेरोजगार

शिक्षा के साथ खेलों में भी महेंद्रगढ़ आगे

महेंद्रगढ़| आरपीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल [illegible]

जिले में [illegible] समृद्धि ए[illegible]

गाड़ी के आगे [illegible] लूट के तीसरे [illegible] पुलिस ने किया [illegible]

देश को विश्वगुरु बनाने में हविकें की होगी भूमिका

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : विद्या ददाति विनयम्, विनयाति पात्रताम्... संस्कृत सूक्ति के साथ वित्त मंत्री कै. अभिमन्यु ने भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में जारी प्रयासों में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) की अहम भूमिका बताई। वे विश्वविद्यालय में गुणात्मक एवं समावेशी शिक्षा के विस्तार विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित हुए। उन्होंने शिक्षाविदों, शिक्षकों व शोधार्थियों को न सिर्फ भारत को विश्व के प्रमुख संस्थानों में अपनी जगह बनाने का आह्वान किया बल्कि सूचना तकनीक और सांस्कृतिक विरासत के बल पर नालंदा, तक्षशिला के दौर की ख्याति फिर से पाने के लिए प्रेरित किया।

प्रो. मूलचंद सभागार में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पं.मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत आयोजित सेमिनार में वित्त मंत्री ने कहा कि यदि भारत की मौजूदा तीन पीढ़ियां मिलकर ठान लें तो वह दिन दूर नहीं जब तीसरी पीढ़ी विश्व में भारत को विश्वगुरु की खोई हुई पहचान दिला सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अक्सर इसके प्रति चिंता व्यक्त करते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि वे शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में कितने गंभीर हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय को हर संभव मदद प्रदान करने का आश्वासन दिया। वित्त मंत्री ने सूचना तकनीक की मदद से नवनिर्मित कर्मचारी आवास खंड-एक का भी उद्घाटन भी किया।

नवनिर्मित कर्मचारी आवास का उद्घाटन करते वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु • जागरण

कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि विश्वविद्यालय अपने नवप्रवर्तन, अनुसंधान व सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है।उन्होंने बताया कि इसी साल विश्वविद्यालय को नैक का 'ए' ग्रेड प्राप्त हुआ है और पहली बार हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालय 14 अक्टूबर को हमारे नेतृत्व में एकजुट होकर रिसर्च व एजुकेशन पोर्टल के जरिए संसाधनों की आपसी साझेदारी के लिए सहमत हुए हैं।

विशिष्ट अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. भीम सिंह दहिया ने प्रदेश में शिक्षा के विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि स्पष्ट करते हुए बताया कि हरियाणा के लोगों ने सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के विरुद्ध बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा दंड स्वरूप अंग्रेजों ने हरियाणा को पंजाब प्रांत का हिस्सा बना दिया। अंग्रेजों के इस कदम से हरियाणा में शिक्षा का समुचित विकास नहीं हो सका। उन्होने शिक्षा के स्तर में बदलाव के लिए आपसी संवाद के महत्व पर जोर दिया और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के इस प्रयास की खूब सराहना की। स्वामी दयानंद सरस्वती चेयर के प्रोफेसर रणवीर सिंह ने संस्कृत में धन्यवाद ज्ञापन दिया।

शिक्षा विभाग की प्रमुख डॉ. सारिका ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव, विश्वविद्यालय कुलसचिव राम दत्त, शिक्षा पीठ व शिक्षा विभाग के शिक्षकों सहित विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. बीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, प्रो. नवल किशोर सहित अन्य शिक्षकगण एवं विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

भारत को विश्वगुरु बनाने में विवि की भूमिका अहम

महेन्द्रगढ़/नारनौल, 15 अक्तूबर (निस)

संस्कृत सूक्ति के साथ हरियाणा सरकार के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में जारी प्रयासों में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की अहम भूमिका बताई। कैप्टन अभिमन्यु विश्वविद्यालय में आयोजित गुणात्मक एवं समावेशी शिक्षा के विस्तार विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर कैप्टन अभिमन्यु ने इस संगोष्ठी में आए शिक्षाविदों, शिक्षकों व शोधार्थियों को भारत को विश्व में ख्याति दिलवाने को प्रेरित किया। कैप्टन अभिमन्यु ने इस विश्वविद्यालय की तुलना बरगद के उस पेड़ से की, जिसकी जड़ें लगातार मजबूत होती रहती हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय को हर संभव

महेन्द्रगढ़ हकेंवि में रविवार को नवनिर्मित कर्मचारी आवास का उद्घाटन करते हरियाणा के वित्तमंत्री कै. अभिमन्यु व विवि के कुलपति प्रो. कुहाड़। - निस

मदद प्रदान करने का आश्वासन दिया। वित्त मंत्री ने सूचना तकनीक की मदद से नवनिर्मित कर्मचारी आवास खंड-एक का भी उद्घाटन सभागार से किया। स्वागत भाषण में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने बताया कि इसी साल विश्वविद्यालय को नैक का 'ए' ग्रेड प्राप्त हुआ है।

दैनिक ट्रिब्यून Mon, 16 October 2017
epaper.dainiktribuneonline.com,

भारत को विश्वगुरु बनाने में हकेंविवि की अहम भूमिका: कैप्टन अभिमन्यु

वित्त मंत्री ने कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ को हर संभव मदद का दिया आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ›› महेंद्रगढ़

विद्या ददाति विनयम, विनयाद्याति पात्रताम। संस्कृत सूक्ति के साथ हरियाणा सरकार के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में जारी प्रयासों में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की अहम भूमिका बताई। कैप्टन अभिमन्यु विवि में आयोजित गुणात्मक एवं समावेशी शिक्षा के विस्तार विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

कैप्टन अभिमन्यु ने संगोष्ठी में आए शिक्षाविदों, शिक्षकों व शोधार्थियों को न सिर्फ भारत को विश्व के प्रमुख संस्थानों में अपनी जगह बनाने के लिए कहा। अपितु सूचना तकनीक और सांस्कृतिक विरासत के बल पर नालंदा, तक्षशिला के दौर की ख्याति फिर से पाने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद सभागार में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत आयोजित इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि यदि भारत की मौजूदा तीन पीढ़ियां मिलकर ठान लें तो वो दिन दूर नहीं जब तीसरी पीढ़ी विश्व में भारत को विश्वगुरु की खोई हुई पहचान दिला सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अक्सर इस बात के प्रति चिंता व्यक्त करते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि वे शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में कितने गंभीर हैं। कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ से मिलकर उन्हें भरोसा हो गया कि वो दिन अब दूर नहीं जब भारत के विश्वगुरु बनने में इस विश्वविद्यालय की अहम भूमिका होगी। कैप्टन अभिमन्यु ने इस विश्वविद्यालय की तुलना बरगद के उस पेड़ से की, जिसकी जड़ें लगातार मजबूत होती रहती हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कर्मठ कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के नेतृत्व में यहां काम कर रहे शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थी दिन-प्रतिदिन विश्वविद्यालय-रूपी इस बरगद के वृक्ष को भिन्न-भिन्न शाखा बनाकर इसे मजबूत बना रहे हैं। कैप्टन अभिमन्यु ने विश्वविद्यालय को हर संभव मदद प्रदान करने का आश्वासन दिया। आयोजन के दौरान वित्त मंत्री ने सूचना तकनीक की मदद से नवनिर्मित कर्मचारी आवास खंड-एक का भी उद्घाटन सभागार से किया। इस दौरान शिक्षा विभाग की प्रमुख डा. सारिका ने 16 अक्तूबर को चलने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव, विश्वविद्यालय कुलसचिव राम दत्त, शिक्षा पीठ व शिक्षा विभाग के शिक्षकों सहित विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. वीर सिंह, प्रॉक्टर प्रो. सतीश कुमार, जिला अध्यक्ष हिंदवी संघ विक्रम दुग्गल, प्रो. नवल किशोर आदि उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय को नैक का 'ए' ग्रेड प्राप्त हुआ

स्वागत भाषण में हरियाणा केंद्रीय विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि भारत अभियान व डिजिटल इंडिया अभियान की सफलता हो। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति का जिक्र करते हुए बताया कि इसी साल विश्वविद्यालय को नैक का 'ए' ग्रेड प्राप्त हुआ है। पहली बार हरियाणा के किसी विश्वविद्यालय 16 अक्तूबर [illegible] भी सहयोग हुए हैं।

महेंद्रगढ़। हकेंविवि में दीप प्रज्वलित करते वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ व अन्य। फोटो: हरिभूमि

अंग्रेजों के चलते शिक्षा का विकास नहीं हो सका

सेमिनार के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि कुरुक्षेत्र विवि कुरुक्षेत्र के पूर्व कुलपति प्रो. भीम सिंह दहिया ने बताया कि हरियाणा के लोगों ने सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के विरुद्ध बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा इसी कारण अंग्रेजों ने हरियाणा को पंजाब प्रांत का हिस्सा बना दिया। अंग्रेजों के इस कदम से हरियाणा में शिक्षा का अपेक्षित विकास नहीं हो सका। धन्यवाद ज्ञापन [illegible] कुरुक्षेत्र के प्रो. रणबीर सिंह ने किया।

महेंद्रगढ़। हकेंविवि में नवनिर्मित कर्मचारी आवास का उद्घाटन करते वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु साथ में कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़। फोटो: हरिभूमि

Haryana VCs meet to discuss collaboration

ROHTAK: Vice-chancellors of all Haryana universities came together in a colloquium hosted by Central University of Haryana, Mahendragarh, on Sunday to promote quality in higher education and research and find ways to preserve state's cultural heritage through education. **HTC**

भारत को विश्वगुरु बनाने में ह.कें.वि. की अहम भूमिका : अभिमन्यु

» **विश्वविद्यालय पहुंचे वित्त मंत्री ने बरगद के पेड़ से की विश्वविद्यालय की तुलना**

» **कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़ को दिया हर संभव मदद का आश्वासन**

महेंद्रगढ़, 15 अक्तूबर (परमजीत/मोहन): विद्या ददाति विनयम, विनयाद्याति पात्रताम्... संस्कृत सूक्ति के साथ हरियाणा सरकार के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में जारी प्रयासों में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) की अहम भूमिका बताई। कैप्टन अभिमन्यु विश्वविद्यालय में आयोजित गुणात्मक एवं समावेशी शिक्षा के विस्तार विषय पर आयोजित 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि शामिल हुए।

इस अवसर पर कैप्टन अभिमन्यु ने इस संगोष्ठी में आए शिक्षाविदों, शिक्षकों व शोधार्थियों को न सिर्फ भारत को विश्व के प्रमुख संस्थानों में अपनी जगह बनाने के लिए कहा अपितु सूचना तकनीक और सांस्कृतिक विरासत के बल पर नालंदा, तक्षशिला के दौर की ख्याति फिर से पाने के लिए प्रेरित किया।

नवनिर्मित कर्मचारी आवास का उद्घाटन करते कैप्टन अभिमन्यु व कुलपति प्रो. आर.सी. कुहाड़।

विश्वविद्यालय के प्रो. मूलचंद सभागार में मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पंडित मदन मोहन मालवीय नैशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अंतर्गत आयोजित इस 2 दिवसीय राष्ट्रीय सैमीनार में मुख्य अतिथि कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि यदि भारत की मौजूदा 3 पीढ़ियां मिलकर ठान लें तो वह दिन दूर नहीं जब तीसरी पीढ़ी विश्व में भारत को विश्वगुरु की खोई हुई पहचान दिला सकती है। कैप्टन अभिमन्यु ने इस विश्वविद्यालय की तुलना बरगद के उस पेड़ से की, जिसकी जड़ें लगातार मजबूत होती रहती हैं। हरियाणा सरकार के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने विश्वविद्यालय को हर संभव मदद प्रदान करने का आश्वासन दिया।

प्रो. आर.सी. कुहाड़ ने कहा कि यह उनके लिए सौभाग्य की बात है कि कैप्टन साहब ने यहां आकर विश्वविद्यालय में आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी की शोभा बढ़ाई।

2 दिवसीय इस सैमीनार के उद्घाटन सत्र में विशिष्टातिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के पूर्व कुलपति प्रो. भीम सिंह दहिया ने हरियाणा में शिक्षा के विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि स्पष्ट करते हुए बताया कि हरियाणा के लोगों ने सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के विरुद्ध बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा दंड स्वरूप अंग्रेजों ने हरियाणा को पंजाब प्रांत का हिस्सा बना दिया और हरियाणा में शिक्षा का समुचित विकास नहीं हो सका।

इस मौके पर धन्यवाद ज्ञापन स्वामी दयानंद सरस्वती चेयर के प्रोफैसर रणवीर सिंह ने दिया। संस्कृत में दिए गए उनके इस ज्ञापन ने सबका मनमोह लिया। इसके पश्चात शिक्षा विभाग की प्रमुख डा. सारिका ने 15 व 16 अक्तूबर को चलने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव, विश्वविद्यालय कुलसचिव राम दत्त, शिक्षा पीठ व शिक्षा विभाग के शिक्षकों सहित विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. बीर सिंह, प्रोक्टर प्रो. सतीश कुमार, प्रो. नवल किशोर सहित अन्य शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

कार्यक्रम | 'हरियाणा की उच्च शिक्षा में समावेशी एवं गुणात्मक विस्तार' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

शिक्षकों को प्रस्तुत करना होगा आदर्श : प्रो. कुहाड़

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

शिक्षक आज से नहीं, बल्कि पुरातन काल से विद्यार्थियों के के लिए आदर्श रहे हैं। शिक्षा के गुणात्मक व समावेशी विस्तार के लिए जरूरी है कि शिक्षक अपनी इस पहचान को बनाए रखें। शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में तभी सकारात्मक बदलाव किए जा सकते हैं, जबकि शिक्षक अपने कर्तव्यों को निष्ठा के साथ पूर्ण करें।

ये विचार सोमवार को विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा के गुणात्मक व समावेशी विस्तार विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र विवि के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने व्यक्त किए। मुख्य अतिथि के तौर पर सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च ऑन डेवलपमेंट एंड चेंज के निदेशक प्रो. जीपी ठाकुर और नागालैंड केंद्रीय विवि के शिक्षा विभाग के प्रमुख डॉ. राकेश राय विशिष्ट अतिथि थे। विवि के प्रो. मूल चंद सभागार में राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान प्रो. आरसी कुहाड़ ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जरूरी है कि एकेडमिक मॉनीटरिंग को महत्व दिया जाए। प्रो. कुहाड़ ने कहा कि शिक्षक को न केवल विषय का ज्ञाता होना चाहिए, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक, एक दर्शन शास्त्री के गुण भी उसके लिए जरूरी हैं।

महेंद्रगढ़. दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्यातिथि।

सुधार के लिए प्रयासरत रहना शिक्षक का कर्तव्य

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. जीपी ठाकुर ने कहा कि यह शिक्षकों का कर्तव्य है कि वे शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यक सुधार के लिए प्रयासरत रहें। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए रायशुमारी, संवाद व अभिरुचि में सुधार को जरूरी माना। संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि डॉ. राकेश राय ने कहा कि एक सफल शिक्षक में विद्यार्थियों के मानसिक स्तर को समझने की योग्यता होनी चाहिए। डॉ. राय ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संदर्भ में कहा कि जिस तरह यह विवि प्रगति कर रहा है, वह दिन दूर नहीं है जब देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में इसका नाम शामिल होगा। अंत में प्रो. नवल किशोर ने कुलपति के प्रयासों की जमकर प्रशंसा की और डॉ. रेनु यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस मौके पर स्वामी दयानंद सरस्वती चेयर प्रोफेसर प्रो. रणबीर सिंह, प्रो. अमर सिंह सहित शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे। शिक्षा विभाग की प्रमुख डॉ. सारिका शर्मा ने संगोष्ठी के सफल आयोजन के लिए अपने सभी साथियों विशेषकर कार्यक्रम संयोजक डॉ. अनीता राव, डॉ. अमित लठवाल, डॉ. चांदवीर का आभार व्यक्त किया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न, शोधपत्रों पर विश्वविद्यालय प्रकाशित कराएगा पुस्तक

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग में समावेशी व गुणवत्ता शिक्षा पर दो दिवसीय संगोष्ठी का मंगलवार को समापन हो गया। कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने संगोष्ठी के सफल आयोजन के लिए सभी टीचिंग व नान टीचिंग स्टाफ का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि विषय विशेषज्ञों ने संगोष्ठी में जो विषय उठाए हैं विवि उन पर अवश्य विचार करेगा।

उन्होंने कहा कि दून विवि के पूर्व कुलपति प्रो. वीके जैन, परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट विवि रोहतक में डीन प्रोफेसर इंद्रा ढुल, दिल्ली विश्वविद्यालय से डा. संदीप कुमार, नागालैंड केंद्रीय विवि के शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डा. राकेश राय व जीपी ठाकुर से शिक्षा विभाग भविष्य में भी जुड़ा रहेगा और इनके बहुमूल्य सुझावों का लाभ उठाकर विभाग लाभांवित होगा। विभाग की अध्यक्षा डा. सारिका शर्मा ने कहा कि संगोष्ठी में कई शिक्षाविदों ने जो महत्वपूर्ण सुझाव दिए वह उनके लिए अति महत्वपूर्ण हैं। संगोष्ठी में लगभग 200 पेपर देश के विभिन्न शिक्षाविदों द्वारा प्रस्तुत किए गए। उन्होंने कहा कि संगोष्ठी में प्रस्तुत महत्वपूर्ण शोधपत्रों पर जल्द ही पुस्तक प्रकाशित की जाएगी, ताकि इन शोधपत्रों का लाभ देश का हर शिक्षाविद उठा सकें। संगोष्ठी के कोऑर्डिनेटर डा. अमित लठवाल ने संगोष्ठी को सफल बनाने के लिए विवि के शिक्षकों, शिक्षणेतर स्टाफ व विद्यार्थियों का आभार जताया।

महेंद्रगढ़. हकेंवि में समावेशी व गुणवत्ता शिक्षा पर आयोजित संगोष्ठी में उपस्थित शिक्षाविद्।

200 शिक्षाविदों ने प्रस्तुत किए शोधपत्र

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग में समावेशी एवं गुणवत्ता शिक्षा पर मंगलवार को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने इस संगोष्ठी के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के सभी टीचिंग एवं नान टीचिंग स्टाफ का आभार प्रकट किया। विभाग की अध्यक्ष डॉ. सारिका शर्मा ने कहा कि इस संगोष्ठी में लगभग 200 शोधपत्र देश के विभिन्न शिक्षाविदों द्वारा प्रस्तुत किये गये।

उन्होंने कहा कि विषय विशेषज्ञों द्वारा इस संगोष्ठी में जो विषय उठाये गये है विश्वविद्यालय उन पर अवश्य विचार करेगा और इन विषयों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जाएगा। इन विषयों के बारे में तथा इस संगोष्ठी की रिपोर्ट सरकार को भेजेंगे ताकि इनका लाभ पूरे देश को हो। उन्होंने कहा कि दून विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर वीके जैन, परफोर्मिंग एंड विजुअल आर्ट विश्वविद्यालय रोहतक में डीन प्रोफेसर इंद्रा ढुल, दिल्ली विश्वविद्यालय से डॉ. संदीप कुमार, नागालैंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. राकेश राय व जीपी ठाकुर से शिक्षा विभाग भविष्य में भी जुड़ा रहेगा और इनके बहुमूल्य सुझावों का समय-समय पर लाभ उठाकर विभाग लाभांवित होगा। उन्होंने कहा कि इस संगोष्ठी में प्रस्तुत महत्वपूर्ण शोधपत्रों पर जल्द ही पुस्तक प्रकाशित की जाएगी ताकि इन शोधपत्रों का लाभ देश का हर शिक्षाविद उठा सके। इस मौके पर संगोष्ठी के कोआर्डिनेटर डॉ. अमित लठवाल ने इस संगोष्ठी को सफल बनाने के लिये विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, शिक्षणेतर व विद्यार्थियों का आभार प्रकट किया।

हकेंवि में 2 दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

संगोष्ठी में शिक्षाविदों ने पढ़े 200 पेपर

महेन्द्रगढ़, 17 अक्तूबर (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आज शिक्षा विभाग में समावेशी व गुणवत्ता शिक्षा पर संगोष्ठी का सफल आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ ने इस संगोष्ठी के सफल आयोजन के लिये विश्वविद्यालय के सभी टीचिंग व नान टीचिंग स्टाफ का धन्यवाद किया और कहा कि विषय विशेषज्ञों द्वारा इस संगोष्ठी में जो विषय उठाये गये हैं विश्वविद्यालय उन पर अवश्य विचार करेगा तथा इन विषयों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने के साथ ही इस संगोष्ठी की रिपोर्ट सरकार को भेजेंगे ताकि इनका लाभ पूरे देश को हो।

हकेंवि महेंद्रगढ़ में मंगलवार को समावेशी व गुणवत्ता शिक्षा पर आयोजित संगोष्ठी में भाग लेने वाले शिक्षाविद् विवि के कुलपति आरसी कुहाड़ के साथ। -निस

उन्होंने कहा कि दून विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर वीके जैन, परफोर्मिंग एंड विजुअल आर्ट विश्वविद्यालय रोहतक में डीन प्रोफेसर इंद्रा ढुल, दिल्ली विश्वविद्यालय से डा. संदीप कुमार, नागालैंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डा. राकेश राय व जीपी ठाकुर से शिक्षा विभाग भविष्य में भी जुड़ा रहेगा और इनके बहुमूल्य सुझावों का समय-समय पर लाभ उठाकर विभाग लाभान्वित होगा।

इस संगोष्ठी में लगभग 200 पेपर देश के विभिन्न शिक्षाविदों द्वारा प्रस्तुत किये गये।

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 18 October 2017
epaper.dainiktribuneonline.com//c/23016479

संगोष्ठी में शिक्षाविदों ने दिए कई महत्वपूर्ण सुझाव

हरियाणा केंद्रीय विव में लगभग 200 पेपर देश के विभिन्न शिक्षाविदों ने प्रस्तुत किए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग में समावेशी व गुणवत्ता शिक्षा पर संगोष्ठी का सफल आयोजन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर सी कुहाड़ ने इस संगोष्ठी के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के सभी टीचिंग व नान टीचिंग स्टाफ का धन्यवाद किया।

● विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर सी कुहाड़ ने कार्यक्रम की सफलता पर टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ को दी बधाई

उन्होंने कहा कि विषय विशेषज्ञों द्वारा इस संगोष्ठी में जो विषय उठाए गए है विश्वविद्यालय उन पर अवश्य विचार करेगा। इन विषयों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने के साथ ही इन विषयों के बारे में और इस संगोष्ठी की रिपोर्ट सरकार को भेजेंगे, ताकि इनका लाभ पूरे देश को हो। दून विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. वीके जैन, परफोर्मिंग एंड विजुअल आर्ट विश्वविद्यालय रोहतक में डीन प्रो. इंद्रा ढुल, दिल्ली विश्वविद्यालय से डा. संदीप कुमार, नागालैंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डा. राकेश राय व जीपी ठाकुर से शिक्षा विभाग भविष्य में भी जुड़ा रहेगा।

इनके बहुमूल्य सुझावों का समय-समय पर लाभ उठाकर विभाग लाभांवित होगा। विभाग की अध्यक्षा डा. सारिका शर्मा ने कहा कि इस संगोष्ठी में अनेक शिक्षाविदों ने जो महत्वपूर्ण सुझाव दिए। वह उनके लिए अति महत्वपूर्ण है तथा ये सुझाव यकीनन विभाग को तेजी से आगे ले जाने में सहायक होंगे। इस संगोष्ठी में लगभग 200 पेपर देश के विभिन्न शिक्षाविदों द्वारा प्रस्तुत किए गए। इस संगोष्ठी में प्रस्तुत महत्वपूर्ण शोधपत्रों पर जल्द ही पुस्तक प्रकाशित की जाएगी। ताकि इन शोधपत्रों का लाभ देश का हर शिक्षाविद उठा सके। इस मौके पर संगोष्ठी के कोर्डिनेटर डा. अमित लठवाल ने इस संगोष्ठी को सफल बनाने के लिये विश्वविद्यालय के सभी शिक्षको, शिक्षणेतर व विद्यार्थियों का आभार प्रकट किया।